खबर संक्षेप

लाइब्रेरी में पढ़ने गई छात्रा नहीं लौटी

लोहारू। लोहारू शहर स्थित एक ई.लाइब्रेरी में पढ़ने वाली एक छात्रा बीते दिवस लाइब्रेरी के बाद घर नहीं पहुंची। जिसकी युवती के पिता ने लोहारू पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को दी शिकायत में युवती के पिता ने बताया कि उसकी बेटी लोहारू के एक लाइब्रेरी में पढ़ने जाती थी। लेकिन बीते दिवस सांय को वह घर नही लौटी। बेटी की आस पड़ोस में भी काफी तलाश की गई लेकिन वह नही मिली।

भिवानी। गोशाला में चारा भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

गाय आवारा नहीं बेसहारा है सहारा दें : इंदु शर्मा

भिवानी। भारतीय संस्कृति और समाज में गाय को माता का दर्जा दिया जाता है। गाय की सेवा को उत्तम सेवा का दर्जा दिया जाता है। यह बात बड़ा परिवार की महिला प्रदेशाध्यक्ष ने इंदु शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि बड़ा परिवार के कुछ सदस्यों ने एक ट्राली तुड़ी का इंतजाम कर गोशाला में पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि यदि हम सब थोड़ा बहुत भी गोसेवा में समय या दान दें तो गोमाता का आशीर्वाद प्राप्त होता है इंदु शर्मा ने कहा कि गाय आवारा नहीं बेसहारा है हमे उसे सहारा देना चाहिए। इस अवसर पर शेर सिंह, बडाला, एडवोकेट महेश हुडा, कृष्ण, आदि उपस्थित थे।

आधे से ज्यादा जलघर खाली रह गए , खेतों तक नहीं पहुंचा पानी

जुई, सुंदर के पानी में कटौती कर मिताथल फीडर में छोड़ गया पानी

भिवानी। पानी की कमी के चलते जलघरों में जमा आधा पानी और पानी कम पहुंचने की वजह से नहरों में बहता आधा पानी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भले ही बीते माह में मौसम ज्यादा गर्म नहीं रहा हो,लेकिन नहरी पानी की कमी ने नहरों व जलघरों का गणित बिगाड़ दिया। मांग के अनुरूप पानी न मिलने की वजह से जिले के आधे से ज्यादा गांवों के जलघर खाली रही गए।

यहां तक भिवानी शहर व कस्बों के आधे ही जलघरों में पानी पहुंच पाया है। जो कि दो सप्ताह तक ही लोगों की प्यास बुझा सकता है। वहीं पानी की कमी के चलते सिंचाई विभाग ने जुई व सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी की पानी में कटौती करके मिताथल फीडर में पानी छोड़ा है। ताकि इस फीडर पर पडने वाले जलघरों में पानी पहुंचाया जा सके। दूसरी तरफ आगामी आदेशों तक निगाना फीडर बंद रहेगी।

इस बार सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने जिले की नहरों के लिए साढ़े 22 सौ क्यूसेक पानी छोड़े जाने की मांग भेजी थी,लेकिन यमुना में पानी कम होने की वजह से साढे 22 सौ की बजाए मात्र साढ़े 11 सौ क्यूसेक पानी मिल पाया है। यह स्थिति पूरे सप्ताह बनी रही। पानी की कमी के चलते सिंचाई विभाग ने जुई व सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी में पानी चलाया। आज सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी व जुई का पान कम करके मिताथल फीडर में छोड़ा गया। ताकि मिताथल फीडर पर पड़ने वाले जलघरों तक पानी पहुंचाया जा सके। फिलहाल मिताथल फीडर में 404, जुई फीडर में 325 तथा सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी 451 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इन नहरों पर पड़ने वाले जलघरों को आधा ही पानी मिल पाया है। पानी एक सप्ताह तो चला,लेकिन मांगा उतना पानी नहीं मिलने से जलघरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाया है। भिवानी शहर के अधिकांश जलघरों में आधा ही पानी पहुंचा ।

■ फिलहाल मिताथल फीडर में 404, जुई फीडर में 325 क्यूसेक पानी छोड़ा

निगाना फीडर के किसानों को करना पड़ेगा इंतजार

नहरों में पानी कम होने की वजह से अभी तक निगाना फीडर में पानी नहीं छोड़ा गया है। जिसकी वजह से इस फीडर पर पड़ने वाले जलघरों में पानी ही नहीं पहुंच पाया है। पानी न पहुंचने से जलघर अभी तक सूखे है। नहरी पानी में बढ़ौतरी हुई तो निगाना फीडर में पानी छोड़ा जाएगा। अगर पानी नहीं बढ़ा तो जुई या सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी को बंद करके निगाना फीडर में पानी छोड़ा जाएगा। उसके बाद ही ग्रामीण इलाकों में पीने के पानी की सप्लाई नियमित हो सकेगी।

डेढ़ सप्ताह का पानी बचा

उन टैंकों में महज डेढ से दो सप्ताह ही शहर के लोगों का हलक तर कर सकेगें। यही स्थिति बवानीखेड़ा व अन्य कस्बों की है। वहां के जलघरों में पर्याप्त पानी न पहुंचने की वजह से जलघरों के टैंकों में आधा ही पानी पहुंच पाया है। इनके अलावा ग्रामीण इलाकों के अधिकतर जलघर खाली रह गए है। कई गांवों के में पानी तक नहीं पहुंच पाया। जिसके चलते वहां पर पीने के पानी की भयंकर किल्लत बनने की आशंका है।

राष्ट्रीय लोक अदालत के फैसले के खिलाफ अपील नहीं होती : सीजेएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ आपसी सहमति से हल होने वाले मामलों में राष्ट्रीय लोक अदालत बहुत ही कारगर साबित हो रही

■ अदालत के मामलों के निपटारे के लिए इच्छुक व्यक्ति जिले की सभी न्यायालयों में आवेदन कर सकते हैं

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल के आदेशानुसार प्राधिकरण के सचिव कम सीजेएम कपिल राठी के मार्गदर्शन में 11 मई शनिवारद्ध को जिला न्यायालय परिसर में वर्ष की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कपिल राठी ने बताया कि न्यायालय में लंबित मामलों को राष्ट्डरीय लोक अदालत में दोनों पक्षों की आपसी सहमति व राजीनामे से सौहार्दपूर्ण वातावरण में पक्षों की सहमति से विवाद निपटाया जाता है। इससे शीघ्र व सुलभ न्यायए कहीं कोई अपील नहीं, अंतिम रूप से निपटारा, समय की बचत जैसे लाभ मिलते हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन से संबंधित मामले, मोटर दुर्घटना दावा मामले, एनआई एक्ट, फौजदारी, राजस्व मामले, वैवाहिक विवाद तलाक को छोडक़र पेंशन मामलों सहित सेवा मामले, भूमि अधिग्रहण मामले, सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित विवाद जैसे बिजली ओर पानी के बिल मामले आदि का निपटारा किया जाएगा।

उन्होंने यह भी बताया कि आपसी सहमति से हल होने वाले मामलों में राष्ट्रीय लोक अदालत बहुत ही कारगर सिद्ध हो रही हैं और राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनाए गए फैसले की भी उतनी ही अहमियत है जितनी सामान्य अदालत में सुनाए गए फैसले की होती है। राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनाए गए फैसले के खिलाफ अपील दायर नहीं की जा सकती। लोक अदालत में सस्ता और सुलभ न्याय मिलता है। राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से लोगों का बिना समय व पैसा गवाएं केसों का समाधान किया जाता है। राष्ट्रीय लोक अदालत में ना तो किसी पक्ष की हार होती है और ना ही जीत बल्कि दोनों पक्षों की आपसी सहमति से विवादों का समाधान करवाया जाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों के निपटारे के लिए इच्छुक व्यक्ति 11 मई से पहले जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय एडीआर सेंटर या जिले के सभी न्यायालयों में आवेदन कर सकते हैं। जिस अदालत में मामला विचाराधीन है, उस अदालत में भी आवेदन दिया जा सकता है।

बवानीखेड़ा। गांव मिलकपुर में बन रह मार्ग का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

कछुआ चाल से हो रहा मुख्य मार्ग का निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

रोष

■ ग्रामीण बोले धीमी गति के कारण रोजाना खतरों का करना पड़ता है सामना

गांव मिलकपुर में गांव के मुख्य मार्ग के निर्माण का कार्य धीमी गति से चलने के कारण ग्रामीणों में खासा रोष व्याप्त है जिसको लेकर ग्रामीणों ने जल्द ही ठोस कदम उठाने की बात कही।

ग्रमीणों में एडवोकेट जितेन्द्र यादव, प्रदीप, संजय, नवीन, संदीप आदि ने बताया कि खंड विकास एवं पचांयत अधिकारी विभाग के आधीन बनाए जा रहे लगभग डेढ़ किलोमीटर मार्ग पिछले 20 दिन से अधिक समय से शुरू हुए हो गया लेकिन यह कार्य कछुए की गति से भी धीमा हो रहा है जिसके कारण ग्रामीणों को आने जाने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा हैं। रात्रि के समय कई लोग गिरकर घायल हो चुके हैं इस बारे में विभाग को भी अवगत करवाया गया है लेकिन ठेकेदार द्वारा इस कार्य में तेजी नहीं लाई जा रही है।

इस मार्ग में काफी पानी जमा हो गया है जिससे मकानों को भी खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों की मानें तो यदि विभाग द्वारा इस कार्य में तेजीपन लाकर कार्य नहीं करवाया तो वे प्रदर्शन करने को मजबूर होंगें। वहीं इस बारे में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी से संपर्क करना चाहता तो उनसे संपर्क नहीं हो सका।

‘म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान’ संगठन ने की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गांव उमरावत में निर्माणधीन सूर्यकवि दादा लख्मीचंद आश्रम में रविवार को म्हारी संस्कृति.म्हारा स्वाभिमान संगठन की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक ने की।

इस दौरान संगठन के अनुरोध पर कला परिषद हरियाणा द्वारा 17 से 20 जून तक होने वाले वार्षिकोत्सव को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए चलाए जाने वाले निमंत्रण अभियान की रूपरेखा भी तैयार की गई। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से सोनू अत्री बजीणा को म्हारी संस्कृति.म्हारा स्वाभिमान संगठन का युवा टीम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके उपरांत संगठन पदाधिकारियों द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा भी की गई तथा निर्णय लिया कि संगठन उस उम्मीदवार का पुरजोर समर्थन करेगाए जो संगठन का सहयोग करेंगा।

■ 17 से 20 जून तक मनाए जाने वाले वार्षिकोत्सव को चलाया जाएगा निमंत्रण अभियान : हनुमान कौशिक

प्रतिभाएं होंगी सम्मानित

बैठक को संबोधित करते हुए म्हारा संस्कृति.म्हारा स्वाभिमान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक ने कहा कि संगठन द्वारा संस्कृति के प्रचार.प्रसार की दिशा में अपनी महत्वूपर्ण भूमिका अदा कर रहा है, ताकि आने वाली पीढिय़ां देश व प्रदेश की संस्कृति को भूलने ना पाए। उन्होंने कहा कि 17 से 20 जून तक होने वाले वार्षिकोत्सव में सराहनीय कार्य करने वाले लोगों के अलावा प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। जिसकी रूपरेखा आज की बैठक में तैयार की गई। इस मौके पर गांव उमरावत के सरपंच व आश्रम निर्माण कमेटी अध्यक्ष दिनेश कौशिक ने कहा कि संगठन किसी भी पार्टी या उम्मीदवार के पक्ष में नहीं है। उन्होंने कहा कि संगठन केवल उसी उम्मीदवार का समर्थन करेगा,जो कि संगठन का सहयोग करेगा। इस अवसर पर अधिवक्ता कृष्ण अवतार दौलताबाद, निर्माण कमेटी अध्यक्ष दिनेश कौशिक सरपंच, कार्यकारी अध्यक्ष जयप्रकाश थानेदार, महासचिव रविंद्र बास, कोषाध्यक्ष मनजीत पाहसौर, जयप्रकाश शर्मा, लक्ष्मी दत्त, मा. लोकेश शर्मा, विष्णु सांगाहेड़ा, नवीन शर्मा उमरावत, बजरंग सरपंच,प्रदीप प्रधान धारेड़ू, अशोक मरीचि सिरसा, पवन सरपंच, सोनु अत्री बजीणा एवं पूरी टीम के साथ, राजु सरपंच नांगल एवं पूरी टीम, धर्मबीर नागर, धर्मेंद्र मुरलीपूर, यश दादरी तोय, बलजीत धारेडू,राजेश धिराणा, राजकुमार पेटवाड़ सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

मॉडल जिला बनाओ संगठन ने तीन गांवों में लगाए शिविर, नि:शुल्क दवा वितरित की

चरखी दादरी। मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन ने बौंदकलां, भागेश्वरी व कासनी गांव में चिकित्सा शिविर लगाए। शिविरों में संगठन संस्थापक पूर्व बैंक अधिकारी बलवान साहू विशेष रूप से उपस्थित थे। कैंपों में श्रीकृष्ण कैंसर व सामान्य अस्पताल, आई केयर, रोग निदान आदि के चिकित्सकों दिनेश ग्रेवाल, दर्शना, अशोक, विकास, विजय व सहयोगियों ने सेवाएं दी, जिसमें आंख, कान, गला व अन्य सामान्य बीमारियों का इलाज किया। बीपी, शुगर, विटामिन, टेस्ट व नि:शुल्क दवा वितरण की गई। संगठन युवा विंग अध्यक्ष अधिवक्ता अनिल साहू ने कहा कि कई वर्षों से रक्तदान व चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। संगठन का प्रयास है कि एक गरीब परिवार को नि:शुल्क इलाज मिले। उन्होंने कहा कि जिले में लगातार स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। इस अवसर पर नवीन योगी, प्रवीन योगी, सुबेदार मेजर जगमालसिंह, सुंदर चौहान, मंदीप चौहान, चतरसिंह, अग्निवेश, सरदार सिंह, अनूप, जितेंद्र शर्मा, राकेश, मिंटू, अजय पहलवान, मोहित, श्यामपाल परमार, होशियार सिंह, नरेश कोच, सुमन देवी, रवि सांगवान, विकास, बीरभान, निरंजन शर्मा, रविंसर शर्मा, सागर शर्मा आदि थे।

रक्त की कमी से नहीं गवाएं कोई जान, करें रक्तदान : डुडेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रक्त दुनिया का एकमात्र ऐसा संसाधन है, जिसे विज्ञान से नहीं बनाया जा सकता, वहीं आज भिवानी के निजी अस्पताल में दुर्घटना में घायल दाखिल मरीज के लिए दो यूनिट ब्लड की जरूरत पड़ने पर रक्तदाता आगे आए और उन्होंने रक्तदान किया।

जीवनदायिनी पदार्थ

रक्तवीर राजेश डुडेजा ने बताया कि रक्त एक मात्र ऐसा जीवनदायिनी पदार्थ है, जिसका किसी फैक्ट्री में निर्माण नहीं हो सकता। रक्त की कमी को स्वैच्छिक रक्तदाताओं द्वारा बढ़चढ़ कर रक्तदान करने से ही पूरा किया जा सकता है। उन्होंने रक्त की एक बूंद से किसी की जिंदगी बच जाए तो इससे बड़ा पुण्य का काम ओर नहीं हो सकता, आज भिवानी के निजी अस्पताल में दाखिल गांव साल्हावास निवासी मरीज के लिए ए पॉजिटिव ब्लड की जरूरत पड़ी, मरीज की नाजुक हालत को देखते हुए रक्तवीर राजेश डुडेजा ने तुरंत प्रभाव से अपनी टीम के एक्टिव रक्तदाता विक्रम व संदीप बलियाली ने निःस्वार्थ रक्तदान कर मरीज की जान बचाई। रक्तदाताओं ने निःस्वार्थ सेवाभाव से मात्र संदेश पर ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान कर किसी अंजान की जिंदगी बचाने का सराहनीय कार्य किया। इस मौके पर डॉ. मंदीप पंघाल, लैब टेक्नीशियन राहुल तंवर व अमन खोखर ने रक्तदाताओं का आभार जताया और लोंगो से रक्तदान की मुहिम मे जुड़ने का आह्वान किया।

भिवानी। रक्तदाताओं को सम्मानित करते रक्तवीर राजेश डूडेजा।

देश के भविष्य बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना जरूरी : बाबा

अदिति ने त्रिवेणी सहित 13 पौधें रोपित कर मनाया जन्मदिन

भिवानी। अपने तेरहवें जन्मदिन पर त्रिवेणी रोपित करती 13 वर्षीय अदिति नेहरा व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

ग्लोबल वार्मिंग, गिरते जलस्तर, कटते जंगल एवं बदलते मौसम चक्र से धरती को बचाने के लिए नन्हे-मुन्हें बच्चों की नन्ही पहल उम्मीद की किरण जैसी साबित हो सकती है। स्कूलों में बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना अति आवश्यक है।

बच्चों को अपने जन्मदिन पर पौधरोपण करने के लिए जरूरत प्रेरित करन चाहिए, ये बात त्रिवेणी बाबा ने रविवार को झुप्पाकलां में अदिति नेहरा के 13वें जन्मदिन पर त्रिवेणी लगाने के उपरांत कही। इस दौरान एक त्रिवेणी सहित आम, जामुन, अमला, कटहल सहित प्रजापतियों के 13 पौधें रोपित किए। उन्होंने कहा कि बच्चें देश का भविष्य है, ऐसें में देश के भविष्य को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना बहुत जरूरी है, ताकि पृथ्वी का भविष्य बचाया जा सकें। अदिति ने कहा कि हम सब प्रकृति से बहुत कुछ लेते है, लेकिन देने के नाम पर हमने सिर्फ पृथ्वी को दूषित ही किया है, ऐसे में अब समय आ गया है कि अधिक से अधिक पौधरोपण कर उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी उठाए, ताकि दूषित होते पर्यावरण को बचाया जा सकें। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने जन्मदिन पर पार्टी करने या केक काटने की बजाए त्रिवेणी रोपित की है तथा वह यह संदेश अपने अन्य सहपाठियों को भी देगी। उन्होंने कहा कि उन्हें ये प्रेरणा उनके दादा दर्शनांद नेहरा व माता-पिता से मिली है। इस मौके पर अदिति के पिता पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा, रामसिंह नेहरा, अधिवक्ता कर्ण सिंह नेहरा, शंकर नर्सरी संचालक चंद्रमोहन, दिनेश जांगड़ा, इंद्र, छन्नो देवी, संतोष, रामधन फौजी, धीरज फौजी, शेरसिंह गारनपुरा सहित अनेक पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे।

स्कूलों और व कॉलेजों के मैदानों में नहीं होंगी चुनावी रैलियां : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय कर रखा है निषेध

डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेश नरवाल ने बताया कि लोकसभा आम चुनाव के तहत चुनाव रैलियों के लिए राजनैतिक पार्टियों व प्रत्याशियों को चुनाव आयोग से स्कूल व कॉलेजों के खेल के मैदान का उपयोग करने के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी।

उन्होंने स्पष्ट किया है कि हरियाणा व पंजाब को छोडक़र अन्य प्रदेशों व केंद्र शासित प्रदेशों में स्कूल प्रबंधन की अनुमति से स्कूल व कॉलेजों के खेल मैदान उपयोग किया जा सकेगा। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा इस मुद्दे पर व्यक्त निषेध एक्सप्रेस प्रोहिबिशन लगा रखा है। जिला निर्वाचन अधिकारी नरवाल ने बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान जाति, धर्म, समुदाय के आधार पर मतदाताओं की भावनाओं को प्रभावित नहीं किया जाएगा और चुनाव प्रचार के दौरान उच्च मानदंडों का बनाए रखना होगा। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 19 तहत भारत के नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार है।

प्रत्येक गृहस्वामी अपने गृह का राजा और पत्नी रानी है। कोई गुप्तचर, चाहे देश के राजा का ही क्यों न हो, यदि उसके निजी वार्ता को सार्वजनिक घटना के रूप में प्रचारित कर दे, तो उसे गुप्तचर का अनाधिकार, दुष्टाचरण ही कहा जाएगा।

- महादेवी वर्मा

अभी यहाँ घर जैसा खाना मिलता है इसलिए लोग आते हैं। पैसा भी तो बच जाता है सर। और इनके थकान की बात तो निकाल ही दीजिये मन से। ये खेत में काम करने वाली हड्डियाँ हैं। हम लोग थक जाते हैं सर, पर ये नहीं।'

मेरी नजरें फिर से उन दोनों से जा टकराईं। बिल अदा कर मैं बाहर निकल आया। मन उस ढाबे में अटक गया है। बहुत देर तक वे उदास आँखें मेरा पीछा करती रहीं।

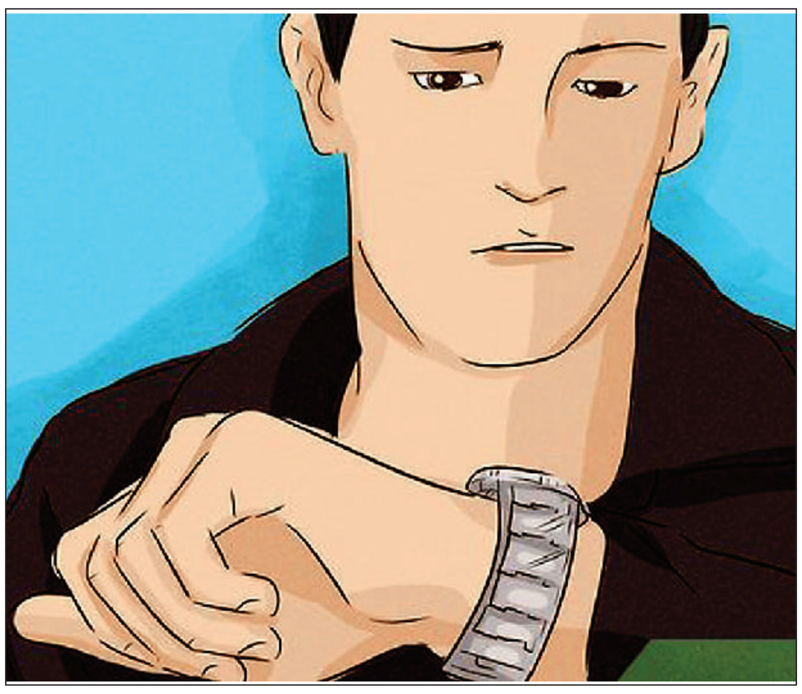

कहानी | आशा पाण्डेय

उदास आँखें

सुबह घर से निकलते समय ही तय कर लिया था कि आतिथ्य भोजनालय में रुक कर नाश्ता कर लूँगा। अमरावती से नागपुर के तीन घंटे के सफर में डेढ़ घंटे बाद पड़ने वाले आम के बगीचों के बीच बना भोजनालय अभी कुछ महीनों पहले ही खुला है। वहां का दही-पराठा बहुत फेमस है। भोजन भी घर जैसा स्वादिष्ट होता है। इस बार मैं भी उस भोजनालय का स्वाद लेना चाहता हूँ।

ड्राइवर को आतिथ्य भोजनालय में रुकने को कह, मैं सीट से सिर टिका कर आँखें बंद कर, आज होने वाली मीटिंग के बारे में सोचने लगा। कई दिनों से कार्य की अधिकता की वजह से सो नहीं पा रहा था, इसलिए आँखें बंद करते ही नींद में चला गया। जगा तब, जब ड्राइवर ने आवाज लगाई – "साहब आतिथ्य भोजनालय" आ गया।"

चौंककर मैंने आँखें खोलीं– तो मैं डेढ़ घंटा सो लिया ..!

"चलो नाश्ता कर लिया जाए।" ड्राइवर से कह मैं कार से बाहर आ गया।

बाहर गर्म हवाएँ एक झोंके की तरह आम के पेड़ों से टकरा कर बह रही हैं। मैंने घड़ी देखा, सुबह के नौ बजने वाले हैं, लेकिन लग रहा है, दोपहर हो गई हो जैसे। जुलाई की सुबहें कुछ देर बाद ही अपनी नरमाहट भूल कर उमस भरी चिपचिपी हो जाती हैं।

भोजनालय में पहुँचकर मैंने चारों तरफ एक नजर दौड़ाई- हरी क्यारियों और गझिन पेड़ों के बीच बाँस की फट्टियों को कलात्मक तरीके से जोड़कर दो-तीन छोटी-छोटी गुमटियाँ बनाई गईं हैं। ग्राहकों के बैठने के लिए पेड़ों के नीचे गोल टेबल और कुर्सियां रखी हैं, वहीं पास में रंग-बिरंगे मटके बड़े करीने से सजे हैं। अभी-अभी हुए पानी के छिड़काव से मिट्टी की सौंधी महक उठ रही है,जो मुझे पीछे किसी याद में ले जाने को मचल रही है। यूँ इस जगह पर आकर मुझे तरो-ताजा और खुश महसूस करना चाहिए, किन्तु न जाने क्यों सब कुछ सूना-सूना और उदास लग रहा है।

मेरे आते ही एक युवक फुर्ती से मेरे पास आया और बड़ी गर्मजोशी से स्वागत करते हुए मुझे एक टेबल की ओर ले गया। मैं इधर-उधर देख कर एक घने पेड़ की छाँव में बैठ गया। उस टेबल से दस कदम की दूरी पर बाँस से घिरी खुली रसोई है। चूल्हे के पास साठ-पैंसठ वर्ष की एक वृद्ध महिला गुमसुम बैठी है। वह इधर की ओर देख रही है। उसके आस-पास बड़े-बड़े भगोने ढके हुए रखे हैं। चूल्हे से कुछ दूरी पर एक कुर्सी-मेज लगी है। जहाँ एक वृद्ध बैठा है।

भोजनालय में भीड़ नहीं है। बस, एक दो परिवार, जो नाश्ता कर उठने वाले थे, दिखे।

मेरे बैठते ही एक लड़का मेरा टेबल साफ कर पानी का जग और मेन्यू कार्ड रख गया। फिर वह युवक, जिसने बढ़कर मेरा स्वागत किया था, आया।

'बताएं सर, क्या लेना पसंद करेंगे? रस्सा-पोहा, बटाटा बड़ा, दही पराठा ..? जो कहें आप। भोजन करने का मन हो, तो गर्मागर्म झुनका-भाखर भी तैयार मिलेगी।'

'नहीं, अभी भोजन का समय नहीं है, दही-पराठा लगवा दो। उधर ड्राइवर से पूछ लो, वह जो लेना चाहे जल्दी बन तो जायेगा न ?' मैंने घड़ी देखते हुए पूछा।

'जी सर, बस दस मिनट' कहकर वह उस महिला को हांक लगाया- 'फटाफट दो पराठे और दही भेजवा इस टेबल पर।'

वृद्ध महिला की उदास आँखें और उदास हो गईं। वह जलती लकड़ी को चूल्हे में सरका कर आटे की लोइयाँ बनाने लगी। कुछ दूर पर बैठे वृद्ध के चेहरे पर अजीब-सी बेचैनी छा गई। मेरा मन द्रवित हुआ —इस उमर में नौकरी! मजबूरी होगी!

युवक की हांक जारी है- जल्दी कर माँ! एक बन जाये तो थाली लगाकर दे। फिर दूसरा सेंकती रहना।' फिर मेरी ओर मुखातिब होकर बोला – 'सर, एक के बाद एक गरम-गरम मिलता जायेगा आपको। चूल्हे का करारा सिंका पराठा .. मजा आ जायेगा आपको।'

उस महिला के लिए युवक का 'माँ' संबोधन मुझे अच्छा लगा। मैंने सोचा–युवक बुजुर्गों का आदर करना जानता है। मेरे पास से हटते ही उसने फिर से महिला को आवाज लगाई – 'जल्दी भेज इस टेबल पर नाश्ता...अभी तक सिंका नहीं?'

महिला पराठा रखने के लिए प्लेट उठा रही थी। लड़के के बोलते ही न जाने कैसे उसके हाथ से प्लेट छूटकर गिर गई। लड़का चिल्लाया–क्या कर रही है? सबेरे-सबेरे ही तेरे हाथ से बरतन छूट रहे हैं? झूमते हुए काम करती है क्या, जल्दी ला।'

"बाहर गर्म हवाएँ एक झोंके की तरह आम के पेड़ों से टकरा कर बह रही हैं। मैंने घड़ी देखा, सुबह के नौ बजने वाले हैं, लेकिन लग रहा है, दोपहर हो गई हो जैसे। जुलाई की सुबहें कुछ देर बाद ही अपनी नरमाहट भूल कर उमस भरी चिपचिपी हो जाती हैं।भोजनालय में पहुँचकर मैंने चारों तरफ एक नजर दौड़ाई– हरी क्यारियों और गझिन पेड़ों के बीच बाँस की फट्टियों को कलात्मक तरीके से जोड़कर दो–तीन छोटी–छोटी गुमटियाँ बनाई गईं हैं। ग्राहकों के बैठने के लिए पेड़ों के नीचे गोल टेबल और कुर्सियां रखी हैं, वहीं पास में रंग–बिरंगे मटके बड़े करीने से सजे हैं। अभी–अभी हुए पानी के छिड़काव से मिट्टी की सौंधी महक उठ रही है,जो मुझे पीछे किसी याद में ले जाने को मचल रही है। यूँ इस जगह पर आकर मुझे तरो–ताजा और खुश महसूस करना चाहिए, किन्तु न जाने क्यों सब कुछ सूना–सूना और उदास लग रहा है।"

युवक के लिए थोड़ी देर पहले मेरे मन में उपजे विचार तिरोहित हो गए। मैं उस महिला को देखने लगा। प्लेट में दही-पराठा,अचार सजा कर महिला घुटने पर हाथ रख उठी और धीरे-धीरे चलते हुए प्लेट मेरी टेबल पर रख गई। मैं नाश्ता करने लगा। पराठा वाकई स्वादिष्ट बना है। खाते-खाते मेरी निगाहें पराठा सेंकती महिला पर ठिठकती रहीं। चूल्हे की आँच के सामने लाल हुए झुलसे चेहरे की कसक लिए महिला तल्लीनता से पराठा बेलने,सेंकने में जुटी है और एक-एक कर टेबल पर पहुँचाये भी जा रही है।

नाश्ता हो जाने के बाद जब वह प्लेट उठाने आई तब मैंने पराठे के स्वाद का बखान कर दिया। वह कुछ झेपी,हिचकिचाई,फिर प्लेट उठाकर चली गई।

युवक बिल लेकर मेरी टेबल पर आया। आत्मविश्वास से भरी उसकी आँखें चमक रही हैं। उसने पूछा, "सर पराठा अच्छा लगा न ?"

"हाँ यार, बहुत स्वादिष्ट थे पराठे ङ्क माता जी के हाथों में जादू है ङ्क पर इस उम्र में नौकरी ..?"

" नहीं सर, नौकरी नहीं ङ्क ये मेरी माँ हैं। और उधर जो कुर्सी पर बैठे हैं, वे पिता हैं।"

मैं अवाक, बस "अच्छा " कह पाया। ये इसके माता पिता हैंङ्क. फिर भीङ्क! मेरी आवाज घुटकर रह गई। "हाँ सर, ये दोनों घर में बैठे बोर होते रहते थे। कुछ काम धंधा नहीं था इनके पास, घर के लोग भी दिन भर वही-वही चेहरा देख देखकर बोर होते थे ङ्क बस बैठा दिया यहाँ।' कहते हुए लड़का किसी रहस्य- सा मुस्कराया फिर आगे बोला– अब यहाँ दिनभर लोगों के बीच में मन लगा रहता है इनका। एक बाई भी है, आज छुट्टी पर है। दोनों मिलकर सम्भाल लेती हैं। आप तो देख रहे हैं, एक लड़का भी रखा है। आराम से हो जाता है सब।' युवक माँ-बाप की उम्र, थकान, निराशा को न सुनना चाहता है न सोचना। महिला खमोश हो हमारी बातों को सुन रही है। 'ये जगह तुम्हारी है या किराये पर लिए हो?' मैंने बात बदलने की कोशिश की।

'मेरी खुद की है। बाबा (पिता)ने खरीदा था। हाइवे पर है, तो ख्याल आया कि यहाँ ढाबा शुरू कर दिया जाये तो अच्छी कमाई होगी।'

'वो तो ठीक है, पर एक कुक रख लो यार, माता जी चूल्हे के सामने...थक जाती होंगी। अब इनके आराम के दिन हैं।' न जाने कैसे मेरे भीतर उमड़ता गुबार बाहर आ गया।

'कुक रखने के बाद तो हमारा ढाबा भी अन्य ढाबों जैसा ही हो जायेगा न सर,... अभी यहाँ घर जैसा खाना मिलता है इसलिए लोग आते हैं। पैसा भी तो बच जाता है सर। और इनके थकान की बात तो निकाल ही दीजिये मन से। ये खेत में काम करने वाली हड्डियाँ हैं। हम लोग थक जाते हैं सर, पर ये नहीं।'

मेरी नजरें फिर से उन दोनों से जा टकराईं, जो बेटे की बातों को सुनते हुए उन्हें हजम करने को मजबूर दिखीं।

बिल अदा कर मैं बाहर निकल आया । मेरी गाड़ी नागपुर की ओर आगे बढ़ रही है और मन उस ढाबे में अटक गया है। बहुत देर तक वे उदास आँखें मेरा पीछा करती रहीं।

(लेखिका वरिष्ठ साहित्यकार हैं)

कविता | अन्नू प्रिया

खत्म होती उम्र

गांवों के अंधियारे चौबारों में
खेलता हुआ भूखा बचपन
आधार कार्ड पर नाम सही नहीं
मनरेगा में पालकों का
रोज कम मिल रहा श्रमदान
रोज एक पहर भोजन लिए
हर रात भूखा सोता बचपन
हाथ में कलम के बजाए
चौराहे पर खड़े हो पिता संग
मजदूरी खोज रहा यौवन,
महज 50-100 रुपये लिए
धूप में झुर्रियों संग खेतों में
खत्म हो गया मन का सावन
ये भूख की आग ऐसी है कि
दाह-संस्कार से पहले खाते में
टटोले लिए जाते हैं पैसे।
बीमा कंपनी में क्लेम मिल जाए
आंगन में अकड़ा हुआ पड़ा है,
घरवाले बीमा और बंटवारे सोच रहे।
दिल्ली मुंबई लिए सूटकेस-बैग भरे,
जनरल बोगी में ठूंसे हुए अभागे,
सोच रहे सपनों के पूरा होने लिए
निकल पड़े अपने मन के अंधियारे से
गगनचुंबी इमारतों में खोने-गिरने लिए।।

कविता | निधि राठी

खुशनुमा

हर रोज थोड़ा संवरती है, थोड़ा संभलती है,
इतराती है, आईने से बातें करती है,
हवा सी उड़ती है, खुशनुमा सी हस्ती है,
मिजाज गरम है, लहजा नरम है,
हार जाएगी, ये तुम्हारा भ्रम है,
खिलखिला कर निकल जाती है वो इन तंग
गलियों से,
कुछ ऐसे खुदा के उसे पर कर्म है।
पुराने ख्यालों की लड़की है, हल्की सी बिंदी
और गजरे से अपने बालों को सजाती है,
आसमान से बातें करती है, चांद के संग
ठहाके लगाती है, सितारों से बहस करती
है, सूरज को मात देती है, यूं तो फूल सी
नाजुक है पर कांटों से भिड़ जाती है,
यूं ही लोग उसे माया नहीं कहते,
वो मोहब्बत से पत्थर में जान डाल जाती है।
बड़ी गहरी बातें करती है, प्रेम में विश्वास
रखती है,
अजीज बना ले अगर किसी को,
तो दिल की बेहद गरीब रखती है,
ठोकरें खाती है,फिर उठ जाती है,
कई बार अपनों से ही मार खाती है,
आहट तक नहीं आती उसकी तकलीफ़ के
शोर से,
कुछ इस कदर जज़्बातों को संभाल जाती है।

बाल गीत | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

भारत का गौरव गान

नन्ही मुनी जान हु मैं अतीत का तौफान
भारत का गौरव गान हु मैं वीरों की
सन्तान

सुनी कहानी वहीं पुरानी शेरों वाली
दिन का उजाला परखी रात अंधेरे वाली
तम भी ग़म जाता जब सज रात में मान
भारत का गौरव गान

हमनें जानी कुर्बानी पुर्वजों से पाई
पगडंडी पर पैर धरे सिंधी मिलती
राही
लक्ष्य भेदी नजर हमारी केन्द्र पर है
ध्यान
भारत का गौरव गान

सत्य अहिंसा प्रम धर्म है अपना
निर्भय निड़र धीर वीर मोत समझते
सपना
सबक सिखाकर दुशमन को करें
नहीं अभिमान
भारत का गौरव गान

दीन हीन को दिया सहारा अश्रु धारा
रोकी है
निर्बल को बल देकर ज्यान स्वम की
झोंकी है
महेन्द्र सिंह इस देव धरा को पुजे
सकल जहान
भारत का गौरव गान

लघुकथा | सुरेश हिंदुस्तानी

दुआ का असर

ममता ! अरी ओ ममता ! अरे आज आप ऑफिस से जल्दी आ गए। अरविन्द के चेहरे पर कुछ उदासी के भाव थे। अरविन्द ने कहा ममता जल्दी से बैग में कपडे रखो। हमें शाम की ट्रेन से भोपाल निकलना है। पिताजी की तबियत खराब है। मैंने ट्रेन के दो टिकट ऑनलाइन बुक कर लिए हैं। ममता ने भी वक्त को समझा और झटपट कपड़े निकालने लगी। जनवरी का महीना होने के कारण सर्दी से बचने के लिए गर्म कपड़े भी निकाल लिए। तैयारी करते करते साढ़े चार बज गए। अरविन्द ने कहा हमें अभी निकलना चाहिए। ट्रेन छह बजे की है। 15 से 20 मिनट स्टेशन पर ही लग जाते हैं। दोनों बाहर आए और ऑटो रिक्शा करके स्टेशन चल दिए। लगभग 40 मिनट बाद स्टेशन पहुँच गए और ट्रेन पकड़ी। इसी ट्रेन में एक मजदूर दम्पति भी अपने दो छोटे बच्चों के साथ सफर कर रहे थे। जब ट्रेन आगरा से निकली, तब सर्दी ने अपना असर दिखाना प्रारंभ कर दिया। मजदूर दंपत्ति पर ठण्ड का असर दिखने लगा था। हाँ मजदूर की पत्नी एक पतला सा शाल ओढ़े हुए थी। बच्चे भी नाम मात्र को गर्म कपड़े पहने हुए थे। मजदूर की हालत देख अरविन्द ने रघुनाथ से पूछ ही लिया कि आप गर्म कपड़े पहन लीजिए। रघुनाथ ने बात को सुनते हुए भी अनसुना कर दिया। तभी अरविन्द ने कहा ममता मेरा वह गर्म बनियान निकाल देना जरा। ममता भी सेवा भावी स्वभाव की थी इसलिए उसने तत्काल ही गर्म कपड़ा निकाल दिया। रघुनाथ ने कहा कि रहने दीजिए साहब। तब अरविन्द ने कहा - मुझे अपना बड़ा भाई समझकर ले लीजिए। इसके बाद रघुनाथ ने धीरे से अपना हाथ बढ़ाया, लेकिन फिर से हाथ रुक गए। अरविन्द ने जबरदस्ती गर्म कपड़ा रघुनाथ के हाथ में रख दिया। अरविन्द ने कहा कि अब इसे पहनो। रघुनाथ को अरविन्द के इस शब्द में अपनत्व दिखा और वह कपड़ा पहन लिया। मजदूर की पत्नी ने अरविन्द को दुआ देते हुए कहा कि भाई साहब आज के जमाने आपके जैसे बहुत कम लोग हैं। अब रघुनाथ को सर्दी का अहसास नहीं था। उसकी बातों में भी खुलापन आ गया। रघुनाथ ने अरविन्द से कहा कि भाई साहब आप इतने अच्छे मन के है तो आपके पिता बहुत अच्छे होंगे। उनको भगवान लम्बी उम्र दे। इतने में ही अरविन्द को अपने पिता का ध्यान आया। अरविन्द ने ममता से कहा कि पता नहीं पिताजी की तबियत कैसी होगी। यह बात मजदूर की पत्नी ने भी सुनी। उसने कहा भाई साहब आपके पिताजी को कुछ नहीं होगा। वो ठीक हो जाएंगे। इतने में ट्रेन में नींद का झोंका आ गया, लेकिन आँखों से नींद दूर ही थी। फिर भी अपनी अपनी सीट पर लेट गए। सुबह पांच बजे ट्रेन भोपाल पहुँच गई। रघुनाथ ने अरविन्द का सामान उतारने में मदद की। उन्होंने स्टेशन से ऑटो किया और घर पहुँच गए। चूँकि पिताजी अस्पताल में भरती थे, इसलिए ममता और अरविन्द अस्पताल चल दिए। अस्पताल में अरविन्द के बड़े भाई प्रवीण भी मिल गए। अरविन्द को देखकर प्रवीण की आँखों में आंसू आ गए। अरविन्द भी किसी अनहोनी की आशंका से भयभीत हो गया। इतने में ही चिकित्सक आ गए। चिकित्सक ने कहा कि कल रात्रि तक आपके पिताजी की तबियत बहुत खराब थी। कोई दवा भी काम नहीं कर रही थी। अब यह ठीक लग रहे हैं। ऐसा लगता है कि इन पर दवाओं का नहीं किसी की दुआ का असर हुआ है। तभी यह बच गए। वरना हमने तो उम्मीद ही छोड़ दी थी। चिकित्सक के इतना कहने के बाद ही ममता और अरविन्द के सामने ट्रेन वाले मजदूर के परिवार का चेहरा घूम गया। अरविन्द को महसूस हुआ कि दुआओं का असर होता है।

साहित्य के प्रति युवा पीढ़ी की घटती रुचि का मुख्य कारण करियर बनाने की गला- काट स्पर्धा है। हमें ऐसा नूतन व गूढ़ सृजन करना होगा जिससे हमारी युवा पीढ़ी में साहित्य के प्रति अनुराग पैदा हो । सकारात्मक प्रयासों से युवा पीढ़ी को साहित्य से जोड़ सकते हैं ।

साक्षात्कार | शशि कांत चौहान

नूतन सृजन युवाओं में साहित्य के प्रति अनुराग पैदा करेगा: गुलिया

कहते हैं साहित्य समाज का दर्पण है लेकिन साहित्य दर्पण से भी बढ़कर है क्योंकि दर्पण तो किसी वस्तु का बाह्य रूप दर्शाता है, जबकि साहित्य समाज के अन्तर्मन की अभिव्यक्ति है। साहित्य समाज के मूल्यों का निर्धारक है। यह बात साहित्यकार राजपाल सिंह गुलिया ने हरिभूमि से विशेष बातचीत में कही।

उनका कहना है कि साहित्य समाज का एक सशक्त अंग होता है। साहित्य अतीत से प्रेरणा लेता है, वर्तमान को चित्रित करता है तथा भविष्य का मार्गदर्शन करता है। किसी भी लेखक के लेखन का आरम्भ स्वान्तः सुखाय होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो लेखन रचनाकार का साहित्यिक अभिव्यक्ति में भोगा हुआ यथार्थ होता है। जो एक सुनिश्चित स्वरूप व खास शिल्प में आमजन के सामने आता है। यह गढ़ना या गढ़ने की क्षमता उसे आम से खास बनाती है। राजपाल सिंह गुलिया का जन्म 27 दिसम्बर 1964 को गाँव जाहिदपुर, झज्जर (हरियाणा) में हुआ। उनके पिताजी का नाम श्री धुपल सिंह व माता जी का नाम श्रीमती खीमा देवी है। मेरे मात-पिता पढ़े लिखे भले नहीं थे, मगर ये उनकी दूरदर्शिता का परिणाम था कि उन्होंने बच्चों को न केवल साक्षर बल्कि शिक्षित भी किया। गाँव में पाँचवीं तक की प्राथमिक पाठशाला होने के कारण सभी बहनों को कक्षा पाँच तक पढ़कर ही संतोष करना पड़ा, लेकिन राजपाल ने सन 1984 में नेहरू कालेज झज्जर से बी.ए. पास किया उधर घर वालों ने शादी तय कर दी। परिवार में कोई साहित्यक माहौल नहीं था, मगर कालेज के दिनों में शेरो शायरी का शौक तो था, लेकिन उन्होंने उसे गंभीरता से नहीं लिया । शादी के पश्चात वह 06 दिसम्बर 1985 को भारतीय सेना की सेना शिक्षा कोर में शिक्षा अनुदेशक के पद पर भर्ती हो गए। सेना में सेवाकाल के दौरान दूसरा स्थानांतरण पठानकोट हुआ तो यहीं से लेखन का सूत्रपात हुआ। ब्रिगेड के पुस्तकालय का चार्ज लेते ही लगा कि बरसों की मुराद अब पूरी हुई है। वहाँ पर रामधारी सिंह दिनकर, अमृतलाल नागर, रांगेय राघव, मुंशी प्रेमचंद और भी न जाने कितने स्वनाम धन्य लेखकों की पुस्तकें पढ़ीं, क्योंकि घर में या घर से दूर-दूर तक साहित्य का 'स' तक नहीं था। उन दिनों दैनिक ट्रिब्यून में सोमवार को कथा-कहानी परिशिष्ट आता था। वह भी उस पत्र में लिखना चाहते थे, लेकिन उनके एक शुभचिंतक ने चेताया कि आप सेना में रहते हुए नहीं लिख सकते । सारा जोश ठंडा हो गया। उसने आगे बताया कि आप अपनी पत्नी के नाम से रचना भेज सकते हैं । एक अनुभवी साथी ने बताया कि आप लिख सकते हैं, मगर उसमें सेना की छवि को धूमिल करने वाली बात या सेना संबंधी कोई सूचना नहीं होनी चाहिए । बस फिर क्या था, 24 जनवरी 1996 को पहली लघुकथा 'डायन ' प्रकाशित हुई । फिर तो सिलसिला चल निकला पंजाब केसरी में 'खबरों की मुरम्मत' कॉलम के लिए साल दो साल खबरों की मुरम्मत भी की। पठानकोट से स्थानांतरण के बाद समाचार-पत्रों में प्रकाशन का सिलसिला बंद हो गया। सेना की घुमंतु व भागदौड़ भरी दिनचर्या ने लेखन लगभग भूला ही दिया। सन 2005 में सेना से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के पश्चात उस्ताद लोगों से छंद का ज्ञान लिया तथा दोहे, कुण्डलिया , बालगीत , कह मुकरी व मुक्तक आदि रचने प्रारंभ किए । मात्रिक ज्ञान डॉक्टर श्याम सखा 'श्याम' व डॉक्टर रामनिवास मानव से लिया तथा कुण्डलिया छंद की बारीकियाँ त्रिलोक सिंह ठकुरेला से जानी। उन्होंने गंभीर लेखन उम्र के उस पड़ाव में प्रारंभ किया जिस उम्र में बहुत से नौजवान शायर ग़ज़ल कहना छोड़कर अपनी घरेलू जिम्मेदारियाँ संभाल लेते हैं। उनके प्रथम दोहा संग्रह 'उठने लगे सवाल' का विमोचन हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने 06 नवम्बर 2018 को हरियाणा साहित्य अकादमी सभागार पंचकुला में किया था।

प्रकाशित पुस्तकें

उनकी अनेक कृतियां प्रकाशित हो चुकी हैं। उनके विभिन्न विधाओं में लिखी पुस्तकों में उठने लगे सवाल (दोहा संग्रह), इतनी सी फ़रियाद (कुंडलियाँ संग्रह), निर्मल देश हमारा (बाल कविता संग्रह), देगा कौन जवाब (दोहा संग्रह), समकालीन दोहा कोश, दोहा द्वीप, दोहा दर्पण, आधुनिक दोहा, मानक कुंडलियाँ, 101 प्रतिनिधि दोहाकार, दोहे के सौ रंग, दोहे मेरी पसंद के, मनोभाव की अभिव्यक्ति, नयी सदी के दोहे, हिंदी हाइकु कोश, बूँदों की चौपाल, अभिनव कुंडलियाँ , कुंडलियाँ कुसुम, इक्कीसवीं सदी की कुंडलियाँ, आज के दोहाकार,समकालीन कुंडलियाँ शतक, समकालीन दोहा शतक, मन का मनका फेरते तथा दोहा द्वीप आदि शामिल हैं। इसके अलावा देश के स्तरीय पत्र – पत्रिकाओं में भी गुलिया की रचनाओं का निरन्तर प्रकाशन होता रहता है।

राजपाल सिंह गुलिया

पुरस्कार व सम्मान

राजपाल सिंह गुलिया को विभिन्न प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है, इनमें शब्द गुंजन दोहा सम्मान 2018, निर्मला स्मृति हरियाणा गौरव सम्मान 2019, उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान, नवसृजन कला प्रवीण अवार्ड, निर्मला स्मृति हिन्दी साहित्य गौरव सम्मान 2021, अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' स्मृति सम्मान, कादम्बरी स्व. भगवती प्रसाद दुबे सम्मान, डॉ. स्वर्ण किरण शिखर बाल साहित्य सम्मान व चौधरी गुगन राम सिहाग साहित्य वाचस्पति सम्मान शामिल हैं। वे दोहा, कुंडलिया, ग़ज़ल, नवगीत, बाल गीत व मुक्तक विधाओं में लिखते हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नामः राजपाल सिंह गुलिया
जन्म : 27दिसम्बर 1964
शिक्षा : स्नातक , शिक्षण में डिप्लोमा .
संप्रति : सेना शिक्षा कोर में शिक्षा अनुदेशक (19 वर्ष) व हरियाणा शिक्षा विभाग में अध्यापक (17 वर्ष) पद से सेवानिवृत्ति के पश्चात अब स्वतंत्र लेखन ।

घटनाओं की विस्तृत जानकारी देती 'समग्र सामयिकी'

पुस्तक : समग्र सामयिकी
लेखक : नृपेन्द्र अभिषेक नृप
मूल्य : 249 रुपये
प्रकाशक : किताब राइटिंग

पुस्तक समीक्षा | मनीषा मंजरी

आलेख लेखन हिंदी साहित्य की एक ऐसी कला है, जिसके द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के ज्ञान से पाठकों को अवगत कराने की कोशिश की जाती है। वर्तमान में घटित हो रही घटनाओं को अतीत और भविष्य के प्रभावों से जोड़कर आलेखों को सूक्ष्मता से विश्लेषित किया जाता है। आलेख कला मुख्यतया विवादास्पद मुद्दों पर प्रकाश डालती है जिनके विषय वृहद होते हैं, जैसे राजनीति, पर्यावरण, कानून, विज्ञान- प्रौद्योगिकी, अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, सामजिक, आर्थिक इत्यादि। वैचारिक और बौद्धिक मतभेदों से जूझते समकालीन स्थितियों को समझते हुए प्रसिद्ध लेखक, स्तंभकार, निबंधकार एवं शोधार्थी नृपेंद्र अभिषेक नृप अपनी तीसरी पुस्तक 'समग्र-सामयिकी' लेकर आये हैं। जिसमे विभिन्न विषयों पर आधारित पैंतीस आलेखों को कलमबद्ध किया गया है। छह खण्डों में विभक्त ये पुस्तक रोचक मुद्दों की सजग विवेचना करती है। यूँ तो जब ये पुस्तक हाथों में आती है तो सामान्य सी प्रतीत होती है, परन्तु पृष्ठ दर पृष्ठ पलटते हुए कब आप आखरी पन्ने तक पहुँच जाते हैं ये आभास हीं नहीं रहता।

नृपेंद्र अभिषेक अपनी पुस्तक की शुरुआत पर्यावरण सम्बन्धी मुद्दों से करते हैं, जहां उन्होंने पर्यावरण संकट के कारण पृथ्वी को होने वाली क्षति और विनाशकारी प्रभाव की गूढ़ चर्चा की है। उन्होंने इस तथ्य को गहनता से समझाया है कि मानव अपने विकास की तर्ज पर किस तरह धरती का सबसे बड़ा शत्रु बन बैठा है। अपने दूसरे आलेख में वो प्लास्टिक प्रदूषण की सांख्यिकीय विवेचना करते हैं, वहीं जैव-ईंधन के लाभ प्रयासों के बारे में जानकारी देते हैं।

दूसरे खंड की ओर अग्रसर होते हीं विज्ञान और प्रौद्योगिकी से सम्बंधित मुद्दे प्रकाश में आते हैं, जहां उन्होंने ग्रीन हाइड्रोजन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, टेस्ट ट्यूब बेबी तकनीक आदि जैसे विकसित हो रहे तकनीकों से भविष्य को नयी उम्मीदों की रौशनी को संरचित होते बताया है। विभिन्न रिपोर्ट और आंकड़ों के आधार पर नृपेंद्र अभिषेक भुखमरी के बढ़ते स्तर से अवगत कराते हैं और सरकारी प्रयासों की चर्चा करते हैं। इसी प्रकार वो बाल-श्रम, बढ़ती आबादी, बेरोजगारी और सड़क हादसों जैसे विषयों का सूक्ष्म विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं। इस तरह ये पुस्तक आर्थिक विषयों के खंड तक पहुँचती है और गिग इकॉनमी, जैविक खेती की चुनौतियों से हमारा परिचय करवाती है।

खबर संक्षेप

पीएमश्री स्कूल में अभिनंदन समारोह आज

मंडी अटेली। पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अटेली में बारहवीं बोर्ड परीक्षा में 483 अंक प्राप्त करने वाली छात्रा प्रीति सहित मेरिट प्राप्त करने वाली सभी प्रतिभाशाली छात्राओं के सम्मान में सोमवार को अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए प्राचार्य कुसुम यादव ने बताया कि कार्यक्रम में बारहवीं कक्षा में मेरिट प्राप्त करने वाली 29 छात्राओं का विद्यालय प्रशासन की ओर से अभिनंदन किया जाएगा।

युवती घर से अचानक लापता, केस दर्ज

महेंद्रगढ़। सदर थाने के अंतर्गत आने वाले एक गांव से 18 वर्षीय युवती लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। युवती के पिता ने पुलिस थाने में शिकायत देकर उसकी तलाश करने की मांग की है। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवती के पिता ने पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह मजदूरी का कार्य करता है। उसकी 18 वर्षीय लड़की चार मई को समय करीब तीन बजे घर से बिना बताए कही चली गई है।

गांव सिसोठ में पुलिस ने पकड़ी अवैध शराब

महेंद्रगढ़। गांव सिसोठ में पुलिस टीम ने खाली खंडर से अवैध शराब बरामद की है। इस दौरान अवैध शराब बेचने वाला आरोपित पुलिस टीम को देखकर मौके से फरार हो गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस की एक टीम गांव सिसोठ अड्डे पर गश्त पड़ताल पर थी। इस दौरान टीम को गुप्त सूचना मिली कि गांव सिसोठ निवासी विक्रम उर्फ बलिया अपने पुराने खाली खंडर में अवैध शराब रखकर शराब बेच रहा है। इस सूचना पर टीम पुराने खंडर मकान पर पहुंचे, जहां पर विक्रम उर्फ बलिया पुलिस टीम को देख मौके से भागने में कामयाब हो गया।

18 वर्षीय युवती घर से अचानक लापता

महेंद्रगढ़। क्षेत्र के गांव 18 वर्षीय युवती अचानक लापता हो गई है। युवती की माता ने पुलिस थाने में शिकायत देकर उसकी तलाश करने की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवती की माता ने पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी 18 वर्षीय बेटी 29 अप्रैल को सुबह के करीब नौ बजे घर से बिन बताए कहीं चली गई है।

कोए जीतो-कोए हारो, भाईचारा ना बिगाड़ो, कस्बे के वरिष्ठ नागरिक, चिकित्सक जगत, युवा वर्ग ने किए विचार साझा

प्रदेश में लोकसभा चुनावों को लेकर सरगर्मियां तेज

कस्बे में दो पार्टियों के तो चुनावी कार्यालय भी साथ में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

प्रदेश में लोकसभा चुनावों को लेकर सरगर्मियां तेज हो चुकी है गर्मी से ज्यादा चुनावी पारा सिर चढ़कर बोल रहा है। सभी दल अपने अपने पार्टी उम्मीदवार के जीत के दाव कर रहे हैं। चुनावी बाजार इस कद्र गर्म हो चुका है कि कोई दूसरी बात का जिक्र हो तो चुनावी जिक्र बीच में छिड़ जाता है और उस बात का जिक्र चुनाव से जोड़ दिया जाता है। यूं तो मैदान में बीजेपी, कांग्रेस, जजपा, इनेला, सहित अन्य दलों के उम्मीदवार मैदान में हैं कस्बा में दो पार्टियों के तो चुनावी कार्यालय भी साथ में हैं लेकिन पार्टी नेता और कार्यकर्ताओं की सूझबूझ को भी लोग जमकर सराह रहे हैं क्योंकि सभी शांतिपूर्वक तरीके से अपनी अपनी पार्टी व पार्टी उम्मीदवार को जिताने की हामी भर रहे हैं इसी को लेकर कस्बा के वरिष्ठ नागरिक, चिकित्सक, युवा वर्ग ने अपने विचार साझा किए।

शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव हो

वरिष्ठ नागरिक हनुमान पारासर ने बताया कि उन्होंने अपने जीवन में बहुत चुनाव देखे हैं चुनाव वार्ड, विधानसभा, लोकसभा या अन्य। लेकिन चुनाव में हार जीत का सिस्टम चलता है क्योंकि चुनाव में केवल एक की विजय होती है लेकिन जो हारता है व भी अपने आपको हारा हुआ न माने क्योंकि जीतता भी वही है जो हारने का स्वाद जानता है। इन चुनावों में कभी भी भाईचारा नहीं बिगाड़ना चाहिए और शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव करवाना चाहिए।

विकास की गंगा बहे

सामाजिक संगठन से जुड़े मनीष शंकर ने बताया कि न पार्टी बुरी होती और न कोई नेता बुरा होता कई बार वक्त और हालात माड़े होते हैं। आज सभी दलों के नेता व कार्यकर्ता अपनी अपनी पार्टी के उम्मीदवार की जीत के दावे कर रहे हैं अच्छी बात है। यहां से जो भी सांसद बने कस्बा के विकास में चार चांद लगाए यही यहां के लोगों की मंशा है। दादूनगरी हमेशा शांति की प्रतीक है।

सभी नए उम्मीदवार

युवा नेता निशीकांत ने बताया कि भाजपा,कांग्रेस, जजपा, इनेलो आदि के पार्टी उम्मीदवार पुराने खिलाड़ी है, लेकिन बवानी खेड़ा हलके के लिए नए उम्मीदवार है। सभी अपनी अपनी विजयपताका की बात कर रहे हैं। वोटर भी उत्साहित है जो अपनी अपनी पार्टी व उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेंगें। लेकिन ये वक्त बताएगा कि किसका पलड़ा भारी होता है।

भाईचारा बनाए रखें

डॉ.बूटा राम धमीजा ने बताया कि दादू नगरी शांतिप्रिय नगरी है यहां पार्षद के चुनाव से लेकर विधानसभा, लोकसभा चुनावों में कभी ऐसी घटनाएं नहीं हुई जो हमारे बवानी खेड़ा की मजबूती दर्शाती है। क्योंकि चुनाव में प्रचार चंद दिनों का होता है और एक दिन में चुनाव हो जाता है सभी बाहर क्षेत्र से आए हुए अपने अपने घरों को लौट जाते हैं लेकिन हमनें यही रहना है और आपसी भाईचारा बनाए रखना चाहिए।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए करें मतदान

सामाजिक संस्थाओं ने चलाया मतदान जागरुकता अभियान

पर्यावरण प्रेमी, रक्तदाता जेई बिजेश जावला व पार्षद विनोद प्रजापति ने 100 फीसदी मतदान की शपथ दिलवाई

हरिभूमि न्यूज भिवानी

भिवानी। ज्यादा से ज्यादा मतदान करने की शपथ दिलाते हुए।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के तत्वावधान में दादरी गेट, हनुमान गेट , वार्ड 25 में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमी, रक्तदाता जेई बिजेश जावला व वार्ड 25 के पार्षद विनोद प्रजापति एवं नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी ने लोगों को 100ः मतदान के लिए शपथ भी दिलाई। उपस्थितों को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि युवाओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए सरकार व प्रशासन द्वारा विभिन्न जागरूकता अभियान चलाए हुए हैं। इन जागरूकता अभियानों के माध्यम से मतदाताओं को वोट की ताकत व महत्व से अवगत करवाया जा रहा है ताकि मत प्रतिशतता बढ़ाई जा सके। इसी कड़ी में संस्था द्वारा शहर में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान नागरिकों को मतदान करने के प्रति जागरूक किया तथा लोकतंत्र के महापर्व में अपनी आहुति सुनिश्चित करने की शपथ भी दिलाई गई। इस मौके पर अतिथियों ने कहा कि युवा वर्ग देश का भविष्य है तथा युवाओं को लोकतंत्र की मजबूती में मतदान के महत्व से अवगत होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि मतदान करना बहुत ही जरूरी है। मतदान से ही हम अच्छा प्रतिनिधि चुनते हैं। देश में अपना प्रतिनिधि और अपनी मनचाही सरकार चुनने का यही एक तरीका है तथा यही हमारे लोकतंत्र की खूबसूरती भी है इसलिए प्रत्येक मतदाता को मतदान में जरूर भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में वोट डालना प्रत्येक वोटर का कर्तव्य और जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने कहा कि जितने ज्यादा लोग मतदान के महत्व को समझ पाएंगे हमारा लोकतंत्र भी उतना ही ज्यादा मजबूत होगा इसलिए मतदान की महत्ता को ध्यान में रखते हुए ही अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि 100ः मतदान अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है जो लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित करता है। इसका उद्देश्य होता है कि हर नागरिक को वोटिंग प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाए,ताकि लोकतंत्र की नींव मजबूत हो सके। यह अभियान जागरूकता,समर्थन और सुसंगतता के माध्यम से लोगों को वोट करने की प्रेरणा देता है और उन्हें वोटिंग के महत्व को समझाता है। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से समाज के हर वर्ग को एक संवैधानिक दायित्व के रूप में वोट करने का महत्व और शानदारी का अहसास होता है।इस अवसर मदन डाबला, सुरेश किराड, रविंद्र बेडवाल, दिनेश राजोरा, राहुल, राजीव बेडवाल, प्रदीप, राजेश सैनी, हरि चरण, सुनील, बरसाती राम, ओमकार सैनी, राजेश दहिया सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

सीएसआईआर यूजीसी नेट परीक्षा के आवेदन शुरू

नारनौल। सीएसआईआर यूजीसी राष्ट्रीय पात्रता का इंतजार कर रहे युवाओं के लिए अब खत्म हो गया है। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने एक मई को आधिकारिक रूप से सूचना जारी कर ऑनलाइन आवेदन मांगे गए है।

कम्प्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) मोड़ संयुक्त सीएसआईआर यूजीसी नेट परीक्षा जूनियर रिसर्च फेलोशिप के पुरस्कार व सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति और पीएचडी में प्रवेश के लिए पात्रता निर्धारित करने के लिए आयोजित की जाती है। भारतीय विश्वविद्यालयों में तो यह एक महत्वपूर्ण परीक्षा है और सीएसआईआर यूजीसी नेट जून 2024 के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र एक मई से 21 मई तक चलेगा।

130 मरीजों की आंखें जांची, दस मोतियाबिंद के मरीज मिले

चरखी दादरी। ईश्वर आई सेंटर रोहतक, चरखी दादरी तथा राजेश जैन एलपीएस बौसार्ड के सहयोग से अनेक गांवों में फ्री आई जांच कैम्पों का आयोजन किया। इसी कड़ी में गांव छिल्लर में कैम्प का आयोजन किया, जिसमें 130 मरीजों की आंखों की जांच की गई, जिसमें 10 मोतियाबिंद के मरीज मिले, उन्हें ऑपरेशन की सलाह दी। कैंप में चिकित्सकों ने लोगों को आंखों की देखभाल की जानकारी दी व अन्य बीमारियों से बचाव के बारे में बताया। आंखों को स्वस्थ रखने के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, विटामिन युक्त खाद्य एवं पौष्टिक आहार लें। कैम्प में विशेष सहयोग के रुप में प्रदीप छिल्लर सरपंच, विनोद सिंह, रामचंद्र पूर्व सरपंच, बलबीर पूर्व सरपंच, बब्लू पंच, धर्मेन्द्र, डॉ. ईश्वर सिंह, डॉ. रामचन्द्र, डॉ. निधि चौहान, शिवेन्द्र सिंह, मैनेजर राजकुमार, पूजा शर्मा, सुरेन्द्र सिंह, भूपेन्द्र सिंह व ईश्वर आई सेंटर चरखी दादरी की समस्त टीम ने सहयोग दिया।

46 बच्चों ने पास किया कोर्स

- टैली और एक साल कोर्स पास करने पर डिप्लोमा लेते विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज,भिवानी

शिव शक्ति चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित, शिव शक्ति कंप्यूटर सेंटर के चौबीसवा 24वा बेसिक कोर्स पूरा हुआ, ये कोर्स 3 महीने का होता है, 46बच्चे इस कोर्स मे पास हुए इन बच्चों को आज डिप्लोमा सर्टिफिकेट दिया गया, इस अवसर पर ट्रस्ट के प्रधान देवराज मेहता मेहता ने कहा आज सेंटर शुरू हुए लगभग 7साल हो गए है, तेलीवाड़ा मे मध्यम और गरीब वर्ग के परिवार रहते है, शिव शक्ति चेरिटेबल ट्रस्ट के सभी सदस्ययो ने फैसला लिया यहां कंप्यूटर सेंटर खोला जाए, यहां के जो बच्चे बाहर नहीं जा सकते या समर्थ नहीं है वो इस का लाभ उठा सके, इस सेंटर मे नाम मात्र फीस लीं जाती है और जो बच्चा बिलकुल असमर्थ होता है उसे बिलकुल फ्री कोर्स करवाया जाता है, ट्रस्ट के माध्यम से मोक्ष वाहन शव .वाहन की फ्री सेवा भी चल रही है। सेंटर हेड संजय कामरा ने कहा कि जल्दी से जल्दी इसे सरकार से मान्यता प्राप्त करवाने की कोशिश करे, ताकी बच्चों को कही और जाना न पड़े, इस समारोह मे आज मुख्य अथिति विजय कुमार टुटेजा, विजय इलेक्ट्रॉनिकस और वशिष्ठ अथिति सुनील चावला और चंद्रभान वलेचा ,एल जी शोरूम रहे समिति के महासचिव गिरीश गोस्वामीऔर सचिव राम सरदाना ने सभी आए अथितियों का स्वागत किया और सेंटर इंचार्ज प्रियंका और सिमरन को भी संस्था ने सम्मानित किया।

प्राथमिक में सुभाषचंद्र, उच्च प्राथमिक और सीनियर वर्ग में शहीद भगतसिंह सदन प्रथम

हरिभूमि न्यूज : चरखी दादरी

भिवानी। प्रतियोगिता के विजेता बच्चे। फोटो : हरिभूमि

कस्बा झोझूकलां स्थित डीएसएम पब्लिक स्कूल असावरी में जल एवं पर्यावरण सुरक्षा विषय पर अंतर अंतर सदन पोस्टर मेकिंग व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया,जिसमें विद्यार्थियों ने पर्यावरण एवं जल सुरक्षा को मध्य नजर रखते हुए चार्ट पर विभिन्न प्रकार की कलाकृतियों को उकेरते हुए समाज को जल संरक्षण का संदेश प्रदान करने वाले स्लोग्न लिखकर अध्यापकों व निर्णायकों का मनमोह लिया। सीनियर वर्ग के विद्यार्थियों ने सदन अनुसार भाषण द्वारा बच्चों व अध्यापकों के समक्ष अपने विचार साझा करके समाज को जागरूक करने का संदेश दिया। प्राथमिक वर्ग में सुभाषचंद्र सदन प्रथम, एपीजे सदन द्वितीय एवं शहीद भगत सिंह सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उच्च प्राथमिक वर्ग में शहीद भगत सिंह सदन प्रथम, सुभाषचंद्र सदन द्वितीय, एपीजे सदन तृतीय तथा सीनियर वर्ग में शहीद भगत सिंह सदन प्रथम स्थान, एपीजे सदन द्वितीय तथा सुभाषचंद्र सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्था निदेशक अरुण कुमार ने विजेता छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर सबको पर्यावरण के प्रति जागरूक किया और प्रकृति एक अमूल्य धरोहर है, इसका संरक्षण हम सब का दायित्व है और वृक्ष रोपण कर प्रकृति को संरक्षित करने का संकल्प दिलवाया।

अच्छी सेल्फी पर मिलेगा पुरस्कार

- मतदान के बाद परिजनों के साथ सबसे अच्छी सेल्फी पर मिलेगा दस हजार रुपए का इनाम
- सेल्फी अपलोड करने के लिए मतदान के दिन खुलेगा लिंक

हरिभूमि न्यूज भिवानी

अब बच्चे अपने परिजनों में वोट डालने के लिए उत्साह भरेंगे। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार मतदान के बाद बच्चों द्वारा अपने परिजनों के साथ सेल्फी ली जाएगी। सबसे अच्छी सेल्फी को दस हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा, जिसके लिए जिला स्तर पर लक्की ड्रा निकाला जाएगा।

सेल्फी अपलोड करने के लिए पोर्टल पर एक लिंक विकसित किया गया है। यह लिंक मतदान के दिन यानी 25 मई को खुलेगा। उन्होंने बताया किक प्रातः 7 बजे से मतदान के साथ ही सेल्फी अपलोड करने का लिंक स्कूली बच्चों के लिए खुल जाएगा और रात्रि 8 बजे तक सेल्फी अपलोड की जा सकेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त नरेश नरवाल ने हरियाणा निर्वाचन आयोग द्वारा शुरु की गई पहल के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि लोकसभा आम चुनाव.2024 में अधिक से अधिक मतदान के लिए स्कूली बच्चों को जोड़ा है। इस अभियान में बच्चे अपने परिजनों को मतदान के लिए प्रेरित करेंगे। मतदान के बाद मतदान के बाद बच्चे अपने परिजनों के संग उंगली पर लगी नीली स्याही दिखाते हुए सेल्फी लेंगे और उसको अपलोड करेंगे। प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेताओं को क्रमशः 10 हजार , पांच हजार और ढाई हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी नरवाल ने बताया कि जिले के जिस स्कूल के विद्यार्थी सबसे अधिक सेल्फी अपलोड करेंगे।

जिला में चलाया जा रहा है स्वीप अभियान

जिला निर्वाचन नरवाल ने बताया कि जिला में अधिक से अधिक मतदान को लेकर स्वीप अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जहां एक तरफ स्कूली बच्चों द्वारा जागरूकता रैलियों व विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग हरियाणा द्वारा हरियाणा राज्य परिवहन की बसों पर प्रचार सामग्री लगाई गई हैए जो नागरिकों का ध्यान अनायास ही अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। ये प्रचार सामग्री मतदान के प्रति जागरूकता का सशक्त माध्यम बनी हैं। बस स्टैंडों से विभिन्न रूटों पर चलने वाली रोडवेज की बसों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। हरियाणा रोडवेज की बसों पर मतदाता जागरूकता प्रचार सामग्री, बैनर व पोस्टर चस्पा करवाए गए हैं। इन पोस्टरों में छुट्टी का दिन समझकर घर पर आराम न फरमाइए.मतदान केंद्र पर मतदान करने आइ लोकतंत्र की सशक्त तस्वीर. उंगली पर नीली लकीर जैसे जागरूकता स्लोगन व टैगलाइन के माध्यम से नागरिकों से अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की जा रही है। आमजन को मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 की भी जानकारी दी जा रही है।

खापों और किसान संगठनों ने भाजपा व जजपा के बहिष्कार का किया ऐलान

चरखी दादरी। रविवार को सर्वजातीय सर्वखाप व सर्व संगठनों की महापंचायत बाबा स्वामी दयाल धाम परिसर में फौगाट खाप के प्रधान में बलवंत सिंह की अध्यक्षता में हुई। महापंचायत में सांगवान खाप 40, फोगाट खाप, श्योराण खाप, हवेली खाप, सतगामा खाप, चिड़िया पचगामा खाप, पंवार खाप, जाटू खाप, वाल्मीकि सभा, रविदास सभा, धानक समाज ने हिस्सा लिया। सभी महापंचायत में कमेटी का गठन किया। कमेटी ने फैसला लिया कि भाजपा व जजपा का बहिष्कार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों से भाजपा सरकार ने किसानों, मजदूरों, कर्मचारियों, व्यापारियों का शोषण किया है। आंदोलन के दौरान 750 किसानों की शहादत के बावजूद एमएसपी नहीं दी, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को सड़क पर घसीटा, सरपंचों पर लाठीचार्ज, पुरानी पेंशन योजना को बंद करना, आशा वर्कर्स पर लाठीचार्ज करना, सरकारी नौकरी नहीं देना, महंगाई तथा बेरोजगारी को बढ़ाना आदि ऐसे सैंकड़ों मुद्दों को लेकर कमेटी ने सर्वसहमति से निर्णय लिया कि लोकसभा चुनावों में कोई भी भाजपा जजपा को वोट नहीं देंगा, जिस पार्टी का उम्मीदवार भाजपा व जजपा को हराएगा उसे वोट किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि सभी खापों व संगठनों की कमेटी गठित की गई है, जो गांव गांव जाकर भाजपा व जजपा सरकार द्वारा किए गए अन्याय के बारे में लोगों को बताकर उनके खिलाफ वोट करने की अपील की जाएगी। महापंचायत में फैसला लिया कि भाजपा व जजपा का कोई नेता अगर गांवों में सभा करते हैं तो उनका विरोध करने की बजाय सभा से दूरी बनानी है।

एनएच 152-डी पर कट की मांग को लेकर ग्रामीणों का धरना जारी

कनीना। कट की मांग को लेकर धरने पर बैठे ग्रामीण।

कनीना। राष्ट्रीय राजमार्ग 152-डी पर वाहनों के प्रवेश मार्ग बनाने की मांग को लेकर ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन धरना रविवार को 420वें दिन भी जारी रहा। जिसकी अध्यक्षता ओमप्रकाश बागोत ने की। उन्होंने कहा कि सरकार के आश्वासन के बावजूद कट के निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीण तपती गर्मी में धरना देने का मजबूर हैं। धरना संघर्ष समिति के प्रधान विजय सिंह ने कहा कि सरकार धरना स्थल पर बैठे ग्रामीणों की मांग को अनदेखा कर रही है। उन्होंने कहा कि जब तक कट का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो जाता, तब तक उनका धरना जारी रहेगा। इस मौके पर लक्ष्मण सिंह, हरिओम पोता, विजयपाल, सतपाल सिंह, रामकिशन, रणधीर पहलवान, मनीराम अत्री, हरिओम पोता, बेड़ासिंह, धर्मपाल सिंह, विजयपाल आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए नीरपुर राजपूत तैयार

डीसी इलेवन, बैंकर्स इलेवन व ग्रामीण इलेवन के बीच होंगे मुकाबले

- क्रिक हीरोज एप के जरिए देख सकेंगे लाइव

हरिभूमि न्यूज नारनौल

नारनौल। क्रिकेट टूर्नामेंट की तैयारियों में लगे कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

जिले के गांव नीरपुर राजपूत (अटेली) के सम्राट पृथ्वीराज चौहान स्टेडियम में स्वीप एक्टिविटी के तहत होने वाले दिन-रात क्रिकेट मैच के लिए सभी प्रकार की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस मैच को लेकर आसपास के ग्रामीणों में भारी उत्सुकता का माहौल है। गांव नीरपुर राजपूत मेजबानी के लिए तैयार है। स्टेडियम को पूरी तरह से सजा दिया गया है। जिला प्रशासन व पंजाब नेशनल बैंक के सौजन्य से व सम्राट पृथ्वीराज चौहान सोशल क्लब के सहयोग से आयोजित इस क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए सभी टीम तैयार है। इस टूर्नामेंट में डीसी इलेवन, पीएनबी इलेवन व विलेजर्स इलेवन की टीमें हिस्सा लेंगी। यह मैच छह मई को चार बजे शुरू होगा जो देर रात तक चलेगा। टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य लोकसभा आम चुनाव के लिए नागरिकों को मतदान के प्रति जागरूक करना है। इससे पहले भी जिला प्रशासन की ओर से विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित करवाकर मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। फिलहाल तीनों टीमें लगातार अभ्यास में पसीना बहा रही हैं। तीनों टीमों के खिलाड़ियों की अलग-अलग रंगों की टी-शर्ट पर स्वीप एक्टिविटी का लोगो छपवाया गया है, जो आम नागरिकों को मतदान के प्रति प्रेरित करेगा। एक तरफ जहां मौके पर बैठकर नागरिक इस मैच का आनंद लेंगे।

लोक सभा आम चुनाव में मतदान

स्वीप एक्टिविटी के नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा ने इस टूर्नामेंट के बारे में बताया कि उपायुक्त मोनिका गुप्ता के दिशा निर्देश पर जिला महेंद्रगढ़ में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में इस मैच का आयोजन किया गया है, ताकि अधिक से अधिक लोगों के साथ जुड़कर इस अभियान को आगे बढ़ाया जा सकें। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार लोकसभा आम चुनाव में मतदान प्रतिशत को बढ़ाने पर फोकस किया जा रहा है। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे इस तरह की गतिविधियों में अधिक से अधिक हिस्सा लें व आम नागरिकों को प्रजातंत्र के इस पर्व में वोट डालने के लिए प्रेरित करें।

खबर संक्षेप

गीता भवन मंदिर में भागवत कथा आज से

हिसार। आध्यात्मिक गीता ज्ञान प्रचारिणी सभा, मोहल्ला रामपुरा के तत्वाधान में 6 से 12 मई तक गली नंबर 5 स्थित गीता भवन मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। सेवादार सत्यनारायण शर्मा एडवोकेट ने बताया कि कथा के पहले दिन सायं 4 बजे गीता भवन मंदिर से कलश यात्रा प्रारंभ होगी जो आसपास के क्षेत्रों से होते हुए वापस कथा स्थल पर पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि गोवर्धन धाम से पंडित प्रदीप बृजवासी भागवत कथा में रोजाना सायं 4 से 7 बजे तक प्रवचन देंगे। 12 मई को सायं 5 बजे हवन के बाद प्रसाद वितरण किया जाएगा।

साफ- सफाई का काम बंद होने से लोग परेशान

आदमपुर। आदमपुर शहर में पिछले एक सप्ताह से सफाई कार्य न होने एवं कूड़ा करकट न उठाने से गंदगी के ढेर लग रहे हैं। इसके चलते दुकानदारों व महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बारे में दुकानदारों व महिलाओं ने बताया कि पिछले कई दिनों से नगरपालिका की गाड़ी कूड़ा कर्कट लेने नहीं आ रही है, न ही गलियों में बाजारों में बड़ा कूड़ा उठाया जा रहा है। इसके चलते गंदगी का आलम बन गया है। इन्होंने प्रशासन से समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की है ताकि परेशानी से बचा जा सके।

कांग्रेस नेतृत्व वाले दलों का देशहित में कोई विजन नहीं

हिसार। हिसार लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रणजीत सिंह ने इस बार के लोकसभा चुनाव को विचारधाराओं के बीच का चुनाव बताया है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में भाजपा के रूप में एक विचारधारा है जो देशहित, देश को सशक्त व विकसित बनाने के लिए चुनाव लड़ रही है जबकि दूसरी तरफ वो विचारधारा है जो बिल्कुल इसके विपरीत जाकर केवल नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद से हटाने के लिए चुनाव लड़ रही है।

उपचुनाव में धोखा करने वालों को सिखाएं सबक

हिसार। इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार जयप्रकाश ने आदमपुर क्षेत्र की जनता से आह्वान किया है कि वह उपचुनाव के दौरान धोखा करने वालों को सबक सिखाने के लिए कमर कस लें। उन्होंने कहा कि उपचुनाव के समय जिस मुख्यमंत्री ने क्षेत्र से वादे किए थे, जनता उन वादों को याद करके इस लोकसभा चुनाव में वोट का फैसला करें। जयप्रकाश रविवार को आदमपुर क्षेत्र के गांवों का दौरा करके जनसभाओं में क्षेत्रवासियों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कांग्रेस व इंडिया गठबंधन के अनेक नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्माइल क्लब ने किया सुनैना चौटाला का स्वागत

हिसार। हिसार लोकसभा से इनेलो प्रत्याशी सुनैना रविवार सुबह स्माइल क्लब के सदस्यों से मिलने के लिए क्लॉथ मार्केट पहुंची। वहां क्लब के गोपाल खेड़ा व अन्य सदस्यों ने उनका स्वागत किया।

गांव कुंगड़ के ग्राम सेवा केंद्र ट्रस्ट का ऐलान

जरूरतमंद बेटियों की कंप्यूटर शिक्षा का खर्च उठाएगा ट्रस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

गांव कुंगड़ की ग्राम सेवा केंद्र ट्रस्ट आर्थिक रूप से कमजोर बेटियों को निःशुल्क तकनीकी शिक्षा देकर उन्हें गरीब बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा है वहीं अब जीएसके ट्रस्ट गांव के वीर शहीद लाजपत राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की टीम के साथ मिलकर तकनीकी शिक्षा का स्तर बढ़ाने व सरकारी स्कूल में बेटियों का संख्या बल बढ़ाने को लेकर एक साथ काम करेंगे।

इस बार गांव कुंगड़ के वीर शहीद लाजपत राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की 12वीं कक्षा का परिणाम पिछले सालों के मुकाबले काफी बेहतर रहा है। गांव के राजकीय कन्या स्कूल में 12वीं कक्षा की 37 छात्राओं में से 26 छात्राओं ने मेरिट में स्थान बनाया है। ऐसे में गांव कुंगड़ के सरकारी स्कूल में शिक्षा का स्तर व छात्राओं की संख्या बल बढ़ाने को लेकर ग्राम सेवा केंद्र ट्रस्ट ने पहल शुरू की है। इस पहल के साथ ग्राम सेवा केंद्र ट्रस्ट अब गांव गुहांड के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की 84 बेटियों के मास्टर ऑफ कंप्यूटर प्रोग्रामिंग कोर्स ;कंप्यूटर का एक वर्षीय कोर्स पर आने वाला 15.12 लाख रूपये का खर्च खुद उठाएगी।

इन 84 बेटियों में से 28 बेटियां केवल गांव कुंगड़ के वीर शहीद लाजपत राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय से चुनी जाएंगी। इसको लेकर 28 छात्राओं का चयन स्कूल प्रबंधन करेगा तो वहीं अन्य 56 बेटियों का परिवार आर्थिक रूप से कमजोर होने का प्रमाण सरपंच के माध्यम से होगा।

आधा खर्च देगा जीएसके ग्रुप

जीएसके ग्रुप के को.फाउंडर रविंद्र कुमार ने बताया कि ग्राम सेवा केंद्र शिक्षण संस्थान में पहले कंप्यूटर शिक्षा में तीन माह तक के कोर्स में गांव गुहांड की आर्थिक रूप से कमजोर बहू.बेटियों को शिक्षा दिया करती थी। मगर अब कंप्यूटर के एक साल तक के कोर्स में 84 बेटियों के मास्टर ऑफ कंप्यूटर प्रोग्रामिंग कोर्स कंप्यूटर का एक वर्षीय कोर्स पर आने वाला 15.12 लाख रूपये का खर्च खुद उठाएगी। इतना ही नहीं ग्राम सेवा केंद्र शिक्षण संस्थान में पढ़ने वाली जो बेटी शादी के बाद ससुराल की बेटियों को कंप्यूटर व अन्य कोसोंर् की शिक्षा देगी उसके लिए उस बेटी को संस्थान शुरू करने के लिए जीएसके ट्रस्ट आधा खर्च देगा।

हरियाणा की अलग राजधानी व अलग हाईकोर्ट हो : चौधरी

- हरियाणा को पंजाब से अलग हुए 57 वर्ष हुए, अब तक अलग राजधानी एवं हाईकोर्ट नहीं : बिमला
- तोशाम के पंचायत घर के सभागार में विचार संगोष्ठी का आयोजन

पंचायत घर में विचार संगोष्ठी को संबोधित करती मुख्य वक्ता बिमला चौधरी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

हरियाणा प्रदेश की अलग राजधानी और अलग उच्च न्यायालय बनाने के मुद्दे को लेकर रविवार को पंचायत घर के सभागार में विचार संगोष्ठी का आयोजन हुआ। सर्व कर्मचारी संघ की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं हरियाणा की अलग राजधानी एवं अलग हाईकोर्ट अभियान की संयोजक बिमला चौधरी बतौर मुख्य वक्ता संगोष्ठी को संबोधित करेगी।

चौधरी ने कहा कि हरियाणा प्रदेश को पंजाब से अलग हुए 57 वर्ष हो गए, लेकिन दुर्भाग्य से हरियाणा को अब तक संपूर्ण स्वायत राज्य का दर्जा नहीं मिल पाया, क्योंकि अभी तक अपनी अलग राजधानी एवं अलग हाईकोर्ट नहीं बना हैं। चौधरी ने बताया कि हरियाणा की अलग राजधानी एवं अलग हाईकोर्ट बनाने की मांग को अभियान के तहत प्रदेश के सभी विधायकों एवं सांसदों को ज्ञापन दिए जा रहे हैं, जिनमें कहा गया है कि प्रांत की विशिष्ट पहचान, पूर्णता, प्रगति और प्रतिष्ठा के लिए लोक निष्ठा से अलग राजधानी व अलग हाईकोर्ट बनाने के लिए कार्य करें।

करीब साढ़े छह लाख केस हाईकोर्ट में लंबित

चौधरी ने कहा कि आंध्र प्रदेश से अलग हुए तेलंगाना, यूपी से बने उत्तराखंड, बिहार से अलग हुए झारखंड व पंजाब से बने हिमाचल प्रदेश को अलग हाईकोर्ट व राजधानी मिली हुई है तो हरियाणा को क्यों नहीं। हरियाणा की सांस्कृतिक पहचान एवं धरोहर बचाने को आज अलग राजधानी बड़ी जरूरत है। करीब साढ़े छह लाख केस हाईकोर्ट में लंबित हैं।

चुनाव में मजबूती से जुटें कार्यकर्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कांग्रेस नेत्री किरण चौधरी व राव दानसिंह का स्वागत करते कार्यकर्ता।

पार्टी ने राव दानसिंह को लोकसभा प्रत्याशी बनाकर हमारे बीच में भेजा है। ऐसे में हमारा भी फर्ज बनता है कि हम उन्हें भारी बहुमत से जीताकर भेजें। कार्यकर्ता चुनाव प्रचार में मजबूती से जुट जाएं। उक्त विचार वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री किरण चौधरी ने तोशाम व कैरू में कार्यालय की शुभारंभ के बाद कार्यकतार्ओं को संबोधित करते हुए कहीं। उनके साथ कांग्रेस प्रत्याशी राव दानसिंह व पूर्व सांसद सुशील इंदौरा उपस्थित रहे। कार्यकतार्ओं ने बड़ी गर्मजोशी के साथ सभी का स्वागत किया। किरण चौधरी ने कहा कि भाजपा के कुशासन से हर वर्ग के लोग दुखी और परेशान हैं। पूरे देश में भाजपा के खिलाफ माहौल बना हुआ है। पार्टी के आदेश को मानते भी सभी कार्यकतार्ओं को राव दानसिंह की जीत के लिए जुटना है। उन्होंने बताया कि जल्द ही पूर्व सांसद श्रुति चौधरी भी राव दानसिंह के चुनाव प्रचार में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। राव दानसिंह ने कार्यकतार्ओं का आभार जताते हुए कहा कि चौधरी बंसीलाल को हरियाणा का विकास पुरुष कहा जाता है। वे जो हरियाणा के निमार्ता थे। हमें चौधरी बंसीलाल व चौधरी सुरेंद्र सिंह के सपनों को पूरा करने के लिए कांग्रेस पार्टी के पक्ष में ज्यादा से ज्यादा मतदान करना है। राव दानसिंह ने कहा कि कार्यकतार्ओं का जोश यह बता रहा है कि किरण चौधरी व श्रुति चौधरी की टीम पार्टी को भारी बहुमत देकर भेजेगी। राव दानसिंह ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि चुनाव में जीत दर्ज करने को लेकर बीजेपी के नेताओं का खुद का भ्रम भी टूटने लगा है।

मोदी की बदौलत विश्व में बढ़ा देश का रूतबा

- आचार संहिता हटते सरपंच पहले की तरह करेंगे विकास कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी/मंडी अटेली

भिवानी। अटेली हलके में आयोजित जनसभा को संबोधित करते धर्मबीर सिंह।

महेंद्रगढ़ भिवानी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी धर्मवीर सिंह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की बदौलत आज भारत का विश्व में डंका बज रहा है। मोदी की बेहतरीन विदेश नीति के चलते आज विश्व के अनेक देश भारत की तरफ देख रहे है। तीसरी बार मोदी के पीएम बनने पर देश विकास नहीं विकसित देशों की श्रेणी में होगा।

हर क्षेत्र में भारत विश्व गुरु बनने की राह पर है। साथ ही उन्होंने कहा कि आचार संहिता हटते ही प्रदेश के सरपंच पहले की तरफ विकास कार्य करवाएंगे। धन की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

धर्मवीर सिंह रविवार को यहां मंडी अटेली क्षेत्र के गांव सयाना, नौताना, पोता, बागौत, सेहलंग, खेड़ी, अगिहार,पाथेड़ा, शेदपुर, छीथरौली, सीहोर, खरखड़ा बांस, गाहड़ा, कोटीया, करीरा, भडफ़ , ककराला, रामबास,ढाणा, पड़तल, सुन्दर, नांगल मोहनपुर, रसूलपुर, गुढा, उन्हानी व चेलावास गांव में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। धर्मबीर सिंह ने आयोजित जनसभा में कांग्रेस पार्टी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के कोई मुद्दा नहीं है और वो लोग घोषणा पत्र के अंदर बोलते हैं कि अगर हमारी सरकार आई तो दोबारा से धारा 370 को लागू करेंगे। सबको पता है 2014 से पहले देश में धारा 370 के कारण भय और आतंकवाद का माहौल था। धर्मवीर सिंह ने कहा कि देश 10 साल से संविधान के तौर तरीके से चल रहा है और यह कांग्रेस के लोग झूठ बोलकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं कि प्रजातंत्र खत्म हो रहा है। उन्होंने कहा कि जनता भाजपा सरकार को तीसरी बार सत्ता सौंपने का मन बना चुकी है। इस अवसर पर विधायक सीताराम यादव, पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव, प्रोफेसर रोशन लाल यादव, सुधीर दीवाना, विद्यानंद लांबा,ब्लाक समिति चेयरमैन जयप्रकाश, सतबीर यादव सेहलंग, अजीत यादव कलवाड़ी, यतेन्द्र राव, अमरजीत यादव, बाबूलाल एससी प्रकोष्ठ कार्यकारिणी सदस्य व भाजपा सह मीडिया प्रभारी व ड्रािवानी विधानसभा मीडिया प्रमुख सोनू सैनी समेत अनेक नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

आर्य कन्या उच्च विद्यालय में किया हवन

- आर्य कन्या उच्च विद्यालय में भजन व सत्संग का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

आर्य समाज घंटाघर के प्रधान एवं हलवासिया विद्या विहार के प्राचार्य विमलेश आर्य उनके भाई विजय कुमार आर्य तथा भतीजे देवरत्न आर्य ने स्वर्गीय माता बाला देवी एवं पिता वैद्य बनवारी लाल आर्य की स्मृति में आर्य कन्या उच्च विद्यालय में भजन व सत्संग का आयोजन किया। कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक विद्वान ज्ञानचंद शास्त्री ने अपने ओजस्वी वाणी से वैदिक मंत्रों से हवन करके किया। ज्ञानेंद्र तेवतिया ने सुंदर भजन प्रस्तुत किए।

चंडीगढ़ से पधारे मुख्यवक्ता उपेंद्र आर्य ने सुंदर भजनोपदेशक के माध्यम से सांस्कृतिक मूल्यों को बचाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि हमारे जीवन में माता-पिता तथा बड़ों का बहुत महत्व होता है, हमें अपने बड़े-बुजुर्गों का प्रतिदिन सम्मान करना चाहिए। माता-पिता का कर्तव्य है कि वह अपने बच्चों को संस्कारवान बनाकर संस्कृति की रक्षा तथा राष्ट्र की उन्नति में अपना सहयोग दें। उन्होंने बताया कि स्त्री अपने बच्चों को संस्कारवान बनाकर जीवन के उच्च शिखर तक पहुंचा सकती है। इस मौके पर उमेद शर्मा, वेदप्रकाश आर्य, कैप्टन रामानंद, लक्ष्मी नारायण, डॉ. रामफल आर्य, रामरख आर्य, नरदेव आर्य को प्रोत्साहित करते हुए फूल मालाओं और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

बहल। भारत की डॉजबॉल टीम में चयनित श्रीराम इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

चैंपियनशिप के लिए सात का चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहल

- खिलाड़ियों की उपलब्धि पर बहल क्षेत्र में खुशी की लहर

कस्बे के श्री राम इंटरनेशनल विद्यालय के सात विद्यार्थियों का विश्व डॉजबॉल चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है। ये खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाली विश्व डॉजबॉल प्रतियोगिता में भारत की टीम का हिस्सा बनेंगे। खिलाडय़ों की उपलब्धि पर बहल क्षेत्र में खुशी की लहर है।

विद्यालय चेयरमैन डॉ. विरेन्द्र श्योराण, सुशील केडिया व प्राचार्य नीलू जे तेवतिया ने बताया कि भारतीय टीम के चयन के लिए 4 मई को दिल्ली में ट्रायल हुआ था। इसमें देशभर से विभिन्न स्कूलों के खिलाडिय़ों ने भाग लिया था। इसमें श्री राम इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ी साहिल, विरेश, सोनिका, भारती,रीतू, संजू, भारती ने कोच सुनील कुमार के मार्गदर्शन में भाग लिया था। इसमें फाइनल ट्रायल में श्री राम इंटरनेशनल स्कूल की टीम के सात खिलाडियों का चयन हुआ है। विद्यार्थियों के चयन पर चेयरमैन विरेंद्र श्योराण व सुशील केडिया ने कहा कि विद्यालय के लिए यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। हमें आशा है कि देश की टीम का हिस्सा बने खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के बल पर देश का नाम रोशन करेंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

केएम स्कूल के छात्रों ने खेलों में अपना परचम लहराया

भिवानी। जिला जुडो संगठन,गुरुग्राम के द्वारा 26वीं डॉक्टर जिगोरो कानो जूडो चैंपियनशिप गुरुग्राम में आयोजित की गई, जिसमें केएम पब्लिक स्कूल की छात्रा गुंजन सिंह ने मिनी सब. जूनियर 30 किलो भार.वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक तथा छात्र मानव ने तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक प्राप्त किया। दिनांक 27 से 28 अप्रैल तक स्कूल गेम्स डेवलपमेंट फाउंडेशन, हरियाणा के द्वारा 9वीं राष्ट्रीय पुरुष.महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप करनाल में आयोजित की गई ,जिसमें छात्र दुष्यंत कुमार ने 38.40 भार वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्तकर रजत पदक प्राप्त किया। विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष मनीष सिंघानिया, प्रबंधक आनंद बासिया, ट्रस्टी मयंक मोडा, समिति सदस्य जितेंद्र गोयल,प्राचार्या रेनू सैनी, उप.प्राचार्या नीलम गौतम, प्रबंधन समिति सदस्य अमिता शर्मा व सुनील शर्मा, प्राथमिक विंग प्रभारी अंजु पोपली, गतिविधि प्रभारी सारिका पंडित व रेखा श्योराण तथा समस्त स्टाफ सदस्यों ने विजेता विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन समिति सचिव राजेश मोडा ने विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए अपना आशीर्वाद व शुभकामनाएँ दीं ।

लोकेश गुप्ता को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया

चरखी दादरी। बैडमिंटन को दादरी जिले के खिलाड़ियों तक पहुंचाने में सराहनीय योगदान देने पर जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के पदाधिकारियों को राज्य स्तर पर सम्मानित किया। हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन के बैनर तले पंचकूला में आयोजित प्रदेश स्तरीय बैठक के दौरान ये सम्मान मिला है। पंचकुला में हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष व सीनियर रिटायर्ड आईएएस देवेंद्र सिंह, एचबीए महासचिव अजय सिंघानिया की संयुक्त अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान दादरी जिला बैडमिंटन एसोसिएशन महासचिव लोकेश गुप्ता को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन की सालाना बैठक पंचकूला में हुई, जिसमें शिरकत कर जिला दादरी बैडमिंटन एसोसिएशन महासचिव लोकेश गुप्ता ने जिले में खेल के बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं सहित अन्य गतिविधियों का ब्यौरा रखा।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

बैठक | ऑल नर्सिंग ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन की राज्यस्तरीय बैठक

नर्सिंग ऑफिसर्स ने निर्मल को चेयरपर्सन चुना

- बैठक में तीन मांगों को पूरा करवाने की सरकार से अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

ऑल नर्सिंग ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन की चेयरपर्सन निर्मल ढांडा व नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्षा सुनीता देवी का स्वागत करती नर्सिंग ऑफिसर्ज।

ऑल नर्सिंग ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन की राज्य कार्यकारिणी की बैठक एक रेस्तरां में संपन्न हुई। बैठक में नर्सिंग ऑफिसर्स की मांगों को प्रमुखता से उठाते हुए सरकार से उन्हें लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा चुनाव से पहले पूरा करने की मांग की गई। एसोसिएशन की राज्य प्रधान एवं संस्थापक सदस्य निर्मल ढांडा ने राज्य प्रधान पद से त्याग पत्र दे दिया। नर्सिंग ऑफिसर्स ने उन्हें एसोसिएशन का चेयरपर्सन चुन लिया, ताकि एसोसिएशन में उनकी भूमिका बनी रहे और मार्गदर्शन मिलता रहे। इसके साथ ही भिवानी की सुनीता देवी को सर्वसम्मति से राज्य प्रधान चुन लिया गया। सभी नर्सिंग ऑफिसर्स एवं पदाधिकारियों ने सुनीता को राज्य प्रधान व निर्मल ढांडा को चेयरपर्सन के दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी। नवनियुक्त राज्य प्रधान सुनीता ने कहा कि पूर्व प्रधान एवं चेयरपर्सन निर्मल ढांडा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में एसोसिएशन ने नर्सिंग ऑफिसर्स के हकों के लिए मजबूती से लड़ाई लड़ी है, वे नर्सिंग ऑफिसर्स की मांगों को सरकार के समक्ष बहुत ही जोर शोर व मजबूती के साथ पहुंचाती रही हैं। उन्होंने कहा कि नर्सिंग ऑफिसर की तीन मांगें प्रमुख हैं, जिनमें नर्सिंग अलाउंस, नर्सिंग कैडर को ग्रुप-बी में शामिल करना और ओल्ड पेंशन स्कीम को पुनः लागू करवाना हैं।

कोरोनाकाल में किया बेहतरीन कार्य

चेयरपर्सन निर्मल व राज्य प्रधान सुनीता ने कहा कि लंबे समय से नर्सिंग ऑफिसर्स अपनी लंबित मांगों को लागू करवाने के लिए प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन व आंदोलन कर सरकार के समक्ष रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि नर्सिंग ऑफिसर्स कोरोना महामारी में भी फ्रंट लाइन योद्धा बनकर लोगों की सेवा करते रहे। खुद की जान की परवाह न करके मरीजों का जीवन बचाना ही उनका उद्देश्य रहा हैं, ऐसे में सरकार को भी बड़ा दिल दिखाकर उक्त तीनों मांगों को जल्द से जल्द पूरा करके लागू कर देना चाहिए।